PAGE NO. 7
DATE: / /

प्र०1 - नैतिकता से क्या अभिप्राय है ?

Ans. प्रत्येक कथा मे जो नैतिक बात कही है वह नैतिकता है । और कथा के बीच मे कथानक रूढ़ियों से कथा को आगे बढ़ाया है । जैसे स्वप्न आना शाप देना पूर्नजीवन करना इत्यादी लोक रूढ़ियों का पालन है। जिसे कथा बन्धी बंधाई चलती है। अर्थात कथा मे एक रोचकता दिखाई देती है। विक्रम जहाँ निर्णय देता है वह नैतिकता है। बैताल जहाँ प्रश्न करता है? वह नैतिकता को उजागर करने को विक्रम से कहता है। इस प्रकार इस "बैत्ताल पच्चीसी" मे सभी कथाएँ कथानक रूढ़ियों से बन्धी है और नैतिक पक्ष को उजागर करती है।

प्र०2 बैताल कौन है (था) ?

Ans. बैताल विक्रम को नीतिगत बाते रखता है। और नैतिकता के पक्ष को उजागर करने वाला है।

प्र०3 विक्रम कौन था ?

Ans. विक्रम उज्जैन नगर का तात्कालिक राजा था ?

प्र०4 वात क्या है ?

Ans. वात के अभिप्राय से मतलब कथा है और प्राचीन रूप वार्ता रहा है और आधुनिक रूप मे कहानी का रूप है उस वात साहित्य में अनेक कथाएँ वात के माध्यम से लिखी गयी है। कि इसी भाँति बेत्ताल पच्चीसी में विक्रम और बेत्ताल की बातो को लिखा गया है। चुंकि यह पच्चीसी देवीदान संस्कृत से अनुदित है। और इस पच्चीसी मे पच्चीस कथाएँ या वात विक्रम और बैताल से सम्बन्धीत है। इसमें बेत्ताल विक्रम को नीति की बाते रखता है और विक्रम से नैतिकता को उजागर कराता है। अर्थात विक्रम नीति के लिए एक प्रसिद्ध राजा रहा है। और बैताल उस नीति से सम्बन्धीत प्रश्न पूछता है तो विक्रम प्रति उत्तर देता है। कथा के बीच में लोक रूढ़ियों और

Scanned by CamScanner

लोक विश्वास के द्वारा कथा को आगे बढाया जाता है। इस प्रकार इस बेताल पच्चीसी में जो कथाएँ संग्रहित है वो लोक रूढियो पर आधारित और नैतिक पक्ष से परिपूर्ण है।

(बैताल पच्चीसी की पार्ता)

प्रथम कथा में दक्षिण दिशा के प्रधानगर के विक्रमादित्य उज्जैनी के राजा हुए और राजा के सभा के व्यक्ति भी बैठे हुए है। तब एक जोगी आम फल लाता है और राजा को देता है। तब राजा उन फलों को इकट्ठा करता है। तब एक दिन बन्दर आम को खाता है। उसमे से रत्न निकलते है। जब राजा जोगी से सब आम मगंवाकर रत्न निकालता है। राजा जोगी को अपनी बात बताता है और एकान्त मे जाकर कथा कहते है और राजा वाराणसी नगर वहा प्रतापमुकट नाम का राजा था उसके मुकुट शेखर नाम का पुत्र था उसका प्रेम पद्मावती नाम की युवती से विवाह होता है। जो पद्मावती कर्णकुंज नगर की दंतसेन राजा की कन्या थी इस प्रसंग में राजकुमार और राजकुमारी की बीच प्रेम प्रसंग चलता है और दोनो ही एक दूसरों की बात को समझते है कुंवर के साथ उसका कामदार है और पद्मावती के साथ मालिन है जो बात को आगे बढते है और एक दिन पद्मावती जेवड़ी मालिन को देती है। और वो जेवड़ी राजकुमारी राजकुमार के पास पहुच जाती है। उसका पता लगाने के लिए राजा राजकुमार को और कामदार को भी बुलाता है। क्योंकि वो दोनो योगी बनकर शमशान मे बैठे हुए थे और उन्होने बताया कि एक त्रिशुल राजकुमारी को लगा है जिसके कारण यह जेवड़ी मिली है। अर्थात राजकुमारी तो भाग गयी पर जेवड़ी यहा मे रह गयी जब इस बात का ज्ञात होता है तो राजा राजकुमारी की बात को समझ जाता है। पर राजकुमारी के त्रिशुल लगने का पाप किसको लगेगा उस प्रश्न का उत्तर बैताल पूछता है। तब विक्रम कहता है कि पाप राजा दंतवक्र को लगेगा जिसने बिना विचारे है त्रिशुल छोड़ दिया।

Scanned by CamScanner

प्र० बेताल पच्चीसी की कथाओं मे नैतिक पक्ष उजागर हुआ है? उक्त कथन की पुष्टि कीजिए?

"बेताल पच्चीसी" की कथाएँ नैतिक पक्ष को उजागर करती है जहाँ कथा के अन्त मे राजा विक्रम से बेताल से प्रश्न करता है और राजा विक्रम अपना निर्णय सुनाता है वह नीति पर आधारित है। प्रति कथा में बिना विचार कर्म को करने वाला पाप कर्म पापी होता है। उक्त कथन प्रथम कथा में उजागर होता है व दूसरी कथा मे एक कन्या के तीन वर आते है। और तीनों ही लड़ने लगते है तब सर्प आता है और कन्या को डस लेता है। जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है। पुर्नजीवित करने के लिए मंत्र साधना कि जाती है। दूसरा गंगा मे अस्थियाँ प्रवाहित करने जाता है। तीसरा समाधी लगाकर बैठ जाता है। जब शमशान पर युवती पुनः जीवित हो जाती है। तब राजा विक्रम से बैताल से पूछता है कि उन तीनों मेसे इस युवती का पति कौन है? राजा नीतिगत निर्णय सुनाता है। जिसने पुर्नजिवीत किया है वह पिताके समान है। जिसने अस्थियाँ प्रवाहित की है वह पुत्र के समान है तथा जिसने साधना कि है वही उसका पति है।

(3) इसी प्रकार तीसरी कथामे एक राजकुमारी जो बहुत सुन्दर होती है। उससे एक पण्डित शादी करना चाहता है। लेकिन उसकी माँ उसको समझाती है। की पुरुष लोग बहुत मतलबी होते है। जब किसी पत्नि के बच्चा नही होता है तो वह दूसरी शादि कर लेते है। और शादि के कुछ दिनों के बाद ही दूसरी औरतों पर नजर डालते है एक समय की बात है कि जब पत्नि जवान हो जाती है और पति उसे लेने के लिए जाता है। तो पिहर से अच्छे गहने पहनाके विदा करते है और रस्ते मे उसका पति गहने खुलवाकर ले लेता है और पत्नि को कुएँ मे डाल देता है। एक बार पत्नि रात को मिलने अपने प्रेमी के पास जाती है। और वहाँ पर उसके प्रेमी के तीर लग जाता है। फिर भी वो मिलते है। और पकड़े जाते है। तो बैताल राजा विक्रम से प्रश्न पूछता है कि इसमें अपराधी कौन है। तो राजा कहता है। इसमे पुरुष महा अपराधी है। क्योंकि उसने छोटी सी बात का बतंगड़ बनाया था। यहाँ यह नीति की बात है।

बात को हसी मे कह देता है। कथा का प्रवाह इस प्रकार है कि हास्य व्यंग्य

Scanned by CamScanner

के द्वारा या मनोरंजनात्मक दृष्टिकोण को बात के प्रस्तुतीकरण के आधार पर कथानक रूढ़ियों के माध्यम से जो नैतिक पक्ष को उजागर किया है। वह इस बैताल पच्चीसी में पाठक को बांधे रहता है। अर्थात कथा को पढ़ने की रूची पैदा करता है और मनोरंजन भी हुआ है।

(4) इसी प्रकार चौथी कथा में वर्द्धमान पुर नगर में सुन्दरसेन राजा राज्य करता था उसकी सभा में बिरबल नामक व्यक्ति आया और कहाँ मुझे अपने यहाँ नौकरी पर रख लो आपके राज्यो को बहुत अच्छी तरह से सम्भालुंगा। तब एक दिन गॉव के बाहर जाकर देखा एक स्त्री रो रही थी। तब राजाने बीरबल को देखने को कहाँ और पिछे वह भी गया तो उस औरत ने कहा अब राजा की मृत्यु हो जायेगी। तुम्हारी पत्नि और पुत्र को बलि चढ़ाओं तो वह बच सकता है। बिरबल ने यह बात अपनी पत्नि से कही पत्नि और पुत्र बली चढ़ने के लिए तैय्यार हो गये तब राजा ने सब बाते सुनली थी तो राजाने देवी की पूजा की और दोनो को जिदां कर दिया तब बैताल ने पूछा इनमें से सबसे सर्वाधिक अच्छा कौन है तो विक्रम ने कहा कि राजा सर्वाधिक अच्छा है क्योंकि उसने बिरबल के पुत्र और पत्नि को बराबर माना

(5) उज्जैनी नगरी में महाबाहु नामका राजा था जिसके हरदत्त नामक एक ब्राह्मण था उसकी पुत्री थी मदनावली उसको शादी करवाने के लिए ब्राह्मण को राजाने दक्षिणाधि पति पार्श्व भेजा हरदत्त राजा से मिला। उसको हरदत्त ने कहा जिसमे ज्ञान गुण ज्यादा होगा उसी को बेटी दूंगा। तब एक ब्राह्मण ने कहा मे ज्ञानी हूँ मैंने रथ बनाया है। तब एक ब्राह्मण ने कहा मे ज्ञानी हूँ उसने कहाँ मैं तीनों काल की बात जानता हूँ तीसरा मिला उसने कहा मे धनुष विद्या जानता हूँ। तब तीनो आए विवाह का समय हुआ तब एक राक्षस आया और लड़की को उठाकर लेगया तब ज्ञानीने कहा कि वह राक्षस उसे विन्ध्याचल लेगया है तब दुसरे ज्ञानीने धनुष विद्या से उस राक्षस को मारा और तीसरा ज्ञानी उस रानी (लड़की) को रथपर बैठा कर घर लाया। तब बैताल ने पूछा राजा विक्रम ये लड़की किसको देनी चाहिए तब विक्रम बोला रथी और ज्ञानी तो उपकारी हुए और जिसने बाण से राक्षस को मारा वो उसको मिलना चाहिए

(6) छठी कथा मे एक राजा मंदिर मे जाता है। वहाँ पर उसे एक सुंदर कन्या

PAGE NO. ||
DATE: / /

दिखाई देती है। और वो मंदिर मे देवी से प्रार्थना करता है कि अगर इससे मेरी शादि हुई तो मै तुम्हारी कमल पूजा करूँगा। फिर राजा ने विवाह किया तब राजा मन्दिर के अंदर गया और अपनी पत्नि और मित्र को गाड़ी मे बिठा कर गया। तब मित्र ने स्त्री से कहा तुम बैठो मैं देखकर आता हूँ। तब मित्र देखता है कि सिर धड़ अलग पड़े है तो उसने सोचा कि वो सोचेगी उसी के काम होगे। अन्त तो मित्र पूजा करने लग गया। जब स्त्री अंदर आई तो दोनों मरे पड़े थे तो वो कमल पूजा करने लगी तब देवी प्रकट हुई और कहाँ तुम इनको जोड़ दो मैं जान डाल दूंगी तो उस स्त्री ने जल्दी में उसके पति के धड़ को मित्र के मास्तिष्क से जोड़ दिया। तब दोनों खड़े हुए और लड़ने लगे तब बेत्ताल बोला स्त्रि किसकी रहेगी। तब विक्रम बोला जिसका सर उसी की स्त्री होगी।

(7) एक राजा के कन्या थी जो चोसठ कलाएँ जानती थी और चतुर थी उसके स्वयंवर के लिए बहुत राजकुमार आए उसमे से एक ने कहा मुझमे बड़ा गुण है एक ने कहा मैं बहुत भाषाएँ जानता हूँ। एकने कहाँ मे शास्त्र पढ़ा हुआ हूं एक ने कहा मे बहुत बलशाली हूँ। बेताल बोला कन्या किसको देनी चाहिए विक्रम बोला बलवंत को देनी चाहिए क्योकि भाषा का ज्ञान रखने वाला ~~ब्राह्मण~~ वैश्य कहलाता है। शास्त्र का ज्ञान रखने वाला ब्राह्मण कहलाता है। और बलवंत क्षत्रिय कहलाता है

(8) इसी प्रकार आठवी कथा में भी राजा का चाकर नदि पर गया वहा देवी के दर्शन किये तब एक नायिका भी वहाँ देवी की पूजा करने आई तब वह राजा के नोकर को पसंद आ गई। तब उस राजपुत्र ने राजा से यह बात बताई तब दोनो वापिस मंदिर मे आये। तब वो नायिका भी वहा आयी। तब राजा ने कहाँ मेरा चाकर है तु इससे विवाह कर तो नायिका ने कहा मैं तो तुमसे प्रेम करती हूँ। तो राजा बोला ये मेरी आज्ञा है। तब राजा ने अपने चाकर को शादि करवाकर ले आया। तब बेत्ताल ने राजा विक्रम से पूछा इसमे सबसे उत्तम पुरूष कौन है। तब विक्रमने नीति की बात बताई कि राजा इसलिए नहि है क्योंकि चाकर ने पहले राजा पर उपचार किया था।

(9) इसी प्रकार नवी कथा मे राजा का पुत्र सोमदत्त ने एक कामसेना नाम

Scanned by CamScanner